

RAJYA SABHA

Monday, 9th December 1957

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

कल्वर्ड मोती तथा हीरे के मूल्य तथा उनका आयात

*३२५. श्री राम सहाय : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में कितने मूल्य के कल्वर्ड मोती तथा हीरे (हर प्रकार के) आयात किये गये ;

(ख) क्या आयात करने वालों से कोई ऐसा बांड लिया गया कि वे उनसे बना हुआ सामान निर्यात करेंगे ; और

(ग) यदि हां, तो कितनी रकम के बांड लिये गये और बांड की शर्तों का उल्लंघन करने के कारण कितनी रकम जब्त की गई ?

†[VALUE AND IMPORT OF CULTURED PEARLS AND DIAMONDS

*325. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the value of cultured pearls and diamonds (of each variety) imported during the last two years;

(b) whether the importers were required to sign any bond to the effect that they will export the products made out of them; and

(c) if so, the amount for which the bonds were executed and the amount forfeited for the violation of the conditions of the bonds?]

वाणिज्य मंत्री (श्री एन० कानूनगो):
(क) सदन की मेज पर एक विवरण रखा जाता है ।

(ख) जी, हां ।

(ग) पिछले दो सालों में १६,२२४ रु० के बांड लिये गये । कोई भी बांड जब्त नहीं हुये ।

विवरण

१९५५-५६ से १९५६-५७ (अप्रैल-दिसम्बर) तक हुये हीरों और मोतियों का आयात का विवरण

(मूल्य '००० रु० में)

	१९५५-५६	१९५६-५७ (अप्रैल-दिसम्बर)
हीरे	१३०६	२७८५
मोती (सच्चे)	७५१३	५०६१
और तैयार किये हुये)		

नये व्यापारिक वर्गीकरण के आधार पर जनवरी से जून १९५७ तक हुआ आयात

औद्योगिक हीरे कच्चे	२४४
हीरे प्राकृतिक (बिना तराशे)	१०१२
हीरे प्राकृतिक (तराशे हुये पर बिना जड़े)	८७
मोती प्राकृतिक	१७७६
मोती कल्वर्ड	११३६
मोती सच्चे तैयार किये हुये	१६७
मोती कल्वर्ड तैयार किये हुये	४०३

†[THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI N. KANUNGO): (a) A statement is laid on the Table of the Sabha.

†[] English translation.

(b) Yes, Sir.

(c) Bonds of the value of Rs. 19,224 were executed during the last two years. No bonds were forfeited.

STATEMENT

Imports of Diamonds and Pearls during 1955-56 to 1956-57 (April-December)

	Value in '000 of Rs.	
	1955-56	1956-57 (April-Dec.)
Diamonds	1,309	2,785
Pearls (real and cultured)	7,513	5,061

Imports during January—June 1957 on the basis of new trade classification

	Rs. ('000)
1. Industrial diamond crude	244
2. Diamond natural (Uncut)	1012
3. Diamond natural (Cut but not set)	87
4. Pearls natural	1779
5. Pearls cultured	1139
6. Pearls real worked	197
7. Pearls cultured worked	403]

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि ऐसे मोती, जिन्हें असली मोती कहा जाता है और जो कल्चर्ड नहीं होते हैं, वे भी कुछ इम्पोर्ट हुये हैं ?

श्री एन० कानूनगो : यह स्टेटमेंट में दिया गया है ।

SHRI AMOLAKH CHAND: How do these imports compare with the imports of 1955-56?

SHRI N. KANUNGO: In 1955-56 there were very little imports.

SHRI AMOLAKH CHAND: May I know, Sir, if it is the policy of the

Government of India to restrict import of these things?

SHRI N. KANUNGO: No, Sir, it is not the policy to restrict imports because the imports are covered by the entire exports. As a matter of fact workmanship is exported and therefore it is necessary that we should import as much as we can to have more exports.

SHRI AMOLAKH CHAND: How much has been exported because of the art which is prevalent in India?

SHRI N. KANUNGO: I have not got the export figures with me. In value they are much more than the imports.

SHRI MAHESWAR NAIK: Arising out of the answer to part (b) of the question may I know, Sir, whether it is the policy of the Government that all exporters will be required to execute bonds irrespective of the goods they import?

SHRI N. KANUNGO: Well, not all exporters; only exporters who have not got much of export performance to their credit.

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि हीरे और मोती की जो चीजें यहाँ से बन कर जाती हैं वे किस तरह की होती हैं ?

श्री एन० कानूनगो : हीरे कटे हुये जाते हैं, मोती छेद किये हुये जाते हैं और कभी जेवर में भी बन कर जाते हैं ।

SHRI JASWANT SINGH: Is it a condition of the bond that every cultured pearl and diamond imported and the goods produced out of them have to be compulsorily exported?

SHRI N. KANUNGO: Yes, Sir.